‘महिला शांति शिक्षा नेतृत्व’ के लिए सम्मान

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

20वाँ वर्ल्ड पीस कांग्रेस, नई दिल्ली

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया.

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं. एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं. वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जाना चाहिए. उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

------//------

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

दै. जनचिंगारी

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं. एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं. वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति गुप्ता महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुआ। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियरंजन त्रिवेदी द्वारा यह पुरस्कार दिया गया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध संस्था है। साथ ही यूनीसेफ एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है। विश्व भर में 150 शाखाएं कार्यरत हैं।

कुलपति ने कहा महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिह्नित किया जाना चाहिए। उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम शुरू कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी ताकि आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित अतिथियों ने प्रो. गुप्ता द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार के लिए बधाई दी।

कुलपति 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

आचरण संवाददाता

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। जो वर्ष 1969 में स्थापित हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

कुलगुरु महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एजुकेटर्स फार वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया।

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को सम्मानित किया गया। ● नवदुनिया

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ एजुकेटर्स फार वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डा. मार्कंडेय राय व यूनाइटेड नेशंस एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डा. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

चार विवि में रह चुकी हैं कुलगुरु: ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलगुरु के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है। बीडब्ल्यू एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय व अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं। एनीमल टैक्सोनामी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड
सच का साहस.......

सागर

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है। बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं। एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं। वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है। इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जा चाहिए, उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के।

विवि: 20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

ज्योति शर्मा,भास्कर केसरी

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है। बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार है। एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले है वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य है। वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी है। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता है जिन्हें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जा चाहिए। उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

20वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्व कर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है।

दैनिक
जनता के साथ जनता की आवाज
सत्ता सुधार
श्योपुर ▪ गुरुवार 2 जनवरी 2025 ▪ वर्ष -19 ▪ अंक-174 ▪ पृष्ठ-16 ▪ मूल्य-₹03

सुविचार

अपने सपनों पर विश्वास करो और उन्हें पूरा करने के लिए हर दिन मेहनत करो।

सम्मान यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया

विश्वविद्यालयः 20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शाति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

सत्ता सुधार ▪ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (इएडब्ल्यूपी) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति

के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. वी. इम्पयू एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं। एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्माल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं। वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएसटी, नीपा, मोईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिस्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी है। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेषक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है।

आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है। इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जा चाहिए. उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

विश्वविद्यालय: 20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित*

नवसिन्धु समाचार | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस (IAEWP) संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखाएं कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया.

ज्ञातव्य है कि प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शिक्षा जगत में देश की प्रतिष्ठित महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात है जिन्होंने चार सरकारी विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया है। भारत सरकार द्वारा उन्हें मध्य प्रदेश की पहली महिला कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित कर सम्मानित किया गया है. बी. डब्ल्यू. एजुकेशन संस्था द्वारा उनका नाम शिक्षा जगत में भारत की 50 प्रभावशाली महिलाओं में सम्मिलित किया गया। उन्हें 80 से ज्यादा राष्ट्रीय, राजकीय तथा अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है जिनमें से 14 महिला पुरस्कार हैं. एनीमल टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में उन्हें प्रतिष्ठित ई. के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, विज्ञान रत्न-राजकीय पुरस्कार भी मिले हैं. वे यूजीसी, डीएसटी, एआईयू, नैक, सीएसटी, यूपी-सीएआर, नीपा, सीईसी जैसे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं की समितियों में चेयरमैन/सदस्य हैं. वे विश्व के पाँच द्वीपों जिनमें अमेरिका, यूके, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ताइवान, मिश्र, जापान, चीन, सिंगापुर, थाइलैंड, फ्रांस, भूटान, श्रीलंका, हांगकांग आदि देशों का भ्रमण कर चुकी हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोधकर्ता हैं जिन्हें स्टैन्फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के 2 प्रतिशत सर्वोच्च वैज्ञानिकों में सम्मिलित किया गया है। बारह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की प्रधान अन्वेशक, गंगा प्रदूषण तथा जीव वर्गीकरण पर उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। आत्मनिर्भर कानपुर, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा, महिला सशक्तिकरण, आदि पहलुओं पर योगदान उनका समाज के प्रति लगाव को दर्शाता है।

इस अवसर पर उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि महिलाओं में शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, क्षमतायुक्त नेतृत्व वाली महिलाओं को चिन्हित किया जा चाहिए. उन्हें बेहतर नेतृत्व का प्रशिक्षण देकर, जेंडर समानता एवं सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित कर महिला शांति शिक्षा नेतृत्व को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंनें आश्वासन दिया कि वे डॉ. हरीसिंह गौर विवि, सागर में शांति शिक्षा के पाठ्यक्रम प्रारंभ कर युवाओं को शांति शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगी, जिससे आने वाली युवा पीढ़ी शांति शिक्षा के आधार पर विश्व में शांति का प्रचार कर एक सुखद, समृद्ध तथा प्रसन्न समाज बनाने में सफल हो सके। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता 'महिला शांति शिक्षा नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित

सागर । डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा 'महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया।गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से सम्बद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनीसेफ) एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है।

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन

देश
भारत-ईएफटीए समझौता 2025 खत्म होने से पहले लागू होने की उम्मीद : गोयल

विविध : धोखेबाज को दूसरा मौका नहीं देती : कृति सेनन * नई दिल्ली, लखनऊ एवं देहरादून से प्रकाशित
जिल्द: 41, अंक : 33 पृष्ठ : 12 E-mail : dailyvirarjun@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com
R.N.I. No. 511/57 D.L.(C)-05/1270/2024-26 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, शुक्रवार, 3 जनवरी, 2025 मूल्य : रु 4.00 प्रभात संस्करण

जानी-मानी शिक्षाविद प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला प्रतिष्ठित लीडरशिप अवार्ड

नई दिल्ली, (वीअ)। देश की जानी मानी शिक्षाविद और डॉ. हरि सिंह गौड यूनिवर्सिटी, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को प्रतिष्ठित शिक्षा में लीडरशिप अवार्ड दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र के साथ संबंधित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस की कमेटी ने शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को अवार्ड के लिए चुना था।

इस मौके पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए बहुत मौके होने के साथ साथ प्राकृतिक तौर पर महिलाओं को जो बच्चों को शिक्षित करने का दायित्व उन्हें मिला हुआ है, उसमें युवा महिलाओं को आगे आना चाहिए। ताकि इस क्षेत्र को और बेहतर किया जा सके। प्रो. नीलिमा गुप्ता डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय से पहले कानपुर और भागलपुर विश्वविद्यालयों में भी कुलपति रह चुकी हैं।

नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में तीन दिन के इस कार्यक्रम में प्रो. नीलिमा के साथ राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर की डॉ. उषा नायर को भी पुरस्कृत किया गया। इस बारे में भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वशांति प्रबोधक महासंघ (भारत) के चेयरमैन डॉ. प्रियरंजन त्रिवेदी ने कहा कि हमने देश में करीब 1400 विश्वविद्यालयों में से 250 से अधिक शिक्षकों में से चुनिंदा शिक्षाविदों को पुरस्कार दिए गए हैं।

नीलिमा गुप्ता को दिया गया लीडरशिप अवॉर्ड

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: देश की जानी-मानी शिक्षाविद और डॉ. हरि सिंह गौर यूनिवर्सिटी, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित लीडरशिप अवॉर्ड दिया गया। संयुक्त राष्ट्र से संबंधित इंटरनैशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस की कमिटी ने शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को इस अवॉर्ड के लिए चुना था। इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रो. नीलिमा गुप्ता के अलावा राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर की डॉ. उषा नायर को भी पुरस्कृत किया गया।

नीलिमा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए बहुत मौके हैं। साथ ही उन्हें प्राकृतिक तौर पर भी बच्चों को शिक्षित करने का दायित्व मिला हुआ है। भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्व शांति प्रबोधक महासंघ के चेयरमैन डॉ. प्रियरंजन त्रिवेदी ने कहा कि करीब 1400 विश्वविद्यालयों से कुछ चुनिंदा शिक्षाविदों को पुरस्कार दिए गए हैं।

कुलपति महिला शांति शिक्षा नेतृत्व से पुरस्कृत

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्वपुरस्कार से सम्मानित किया गया. यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया. संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, डॉ. मार्कंडेय राय डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया.

देशबन्धु

20 वें वर्ल्ड पीस कांग्रेस में कुलपति महिला शांति शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा महिला शांति शिक्षा में नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित किया गया। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध संस्था है। वर्ष 1969 में स्थापित इस अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन का उद्देश्य पूरी पृथ्वी पर शांति शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1970 में नार्वे में हुई थी। इसकी लोकप्रियता के आधार पर वर्ष 1973 में संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्धता प्राप्त हुई और तब से निरंतर ही शांति शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही है। यह संस्था संयुक्त राष्ट्र बालकोष यूनीसेफ एवं यूनेस्को से भी सम्बद्ध है एवं विश्व भर के विभिन्न देशों में इसकी 150 शाखायें कार्यरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुमारेश मिश्रा, पूर्व वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र एडवाइजर डॉ. मार्कंडेय राय तथा यूनाइटेड नेशन्स एफीलिएटेड इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड पीस के अध्यक्ष डॉ. प्रियारंजन त्रिवेदी द्वारा कुलपति को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मेलन में उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की तथा महिला शांति शिक्षा पुरस्कार हेतु बधाई दी।

Social Media Links-

http://khabar1minit.blogspot.com/2025/01/blog-post_1.html

https://www.swadeshnews.in/newdelhi/renowned-educationist-prof-neelima-gupta-received-the-prestigious-leadership-award-936930

https://www.etvbharat.com/hi/!bharat/sagar-central-university-vice-chancellor-neelima-gupta-honored-women-peace-education-leadership-award-hindi-news-mpn25010203439

https://www.newsharpal.in/renowned-educationist-prof-neelima-gupta-received-the-prestigious-leadership-award/

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)